आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353
डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-128/2015-2017
प्रेषण :- कार्यालय शास्त्री सर्कल पोस्ट ऑफिस ,उदयपुर
प्रेषण दिनांकः-प्रतिदिन

मन के जीते जीत सदा

दैनिक

● मुद्रण तारीख - 07-02-2016 ● अंक-427 ● तारीख - 08 फरवरी 2016, माघ कृष्ण पक्ष - 15 ● सोमवार ● उदयपुर ● कुल पृष्ठ-02 ● मूल्य-1 रूपया ● पृष्ठ-01

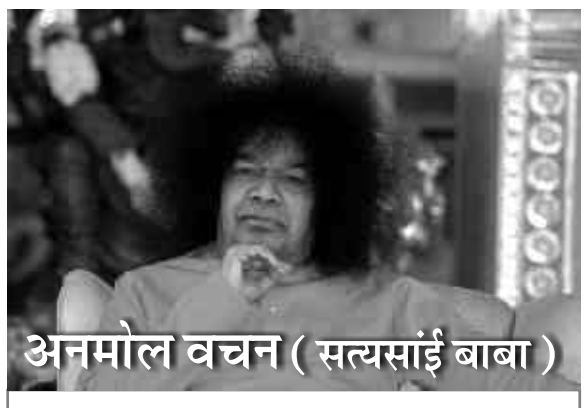

अनमोल वचन (सत्यसांई बाबा)

अधिकाधिक लोगों को प्रेम करो,
अधिकाधिक मात्रा में उनसे प्रेम करो।

ऋतुराज वसंत पर विशेष-

आ गया मधुमास प्यारा

-विमलेश बंसल ''आर्या''

आ गया मधुमास प्यारा,
ओढ़कर नव वसन न्यारा।।
प्रकृति का यौवन निराला,
गा रहा स्वर तान प्यारा।।
नमन हे ईश्वर तुम्हारा,
नमन हे ईश्वर तुम्हारा।।
1 कूप झरने नदी सागर।
मधुर रस में तृप्त गागर।।
झूमते सब पेड़ पौधे।
नृत्य करते मोर मोहते।।
कुहुक कोयल की निराली।
मगन पुष्पम् डाली डाली।।
पृथ्वी माता हरित आंचल।
हरित चुन्नी हरित हर तल।।
लेतीं जब अंगड़ाइयाँ तब।
मन भ्रमर डोले हमारा।।
नमन हे ईश्वर तुम्हारा,
नमन हे ईश्वर तुम्हारा
2 वाग्देवी सरस्वती माँ।
मान करती हैं प्रकृति का।।
गीत कविता लिख रहे कवि।
'विमल' बन सब दे रहे हवि।।
रंग रहे रंगरेज चोला।
बन बसंती मन ये डोला।।
गा रहा वीरों की गाथा।
धन्य हैं वे वीर माता।।
हे हकीकत नाज तुम पर।
कह रहा ऋतुराज प्यारा।।
नमन हे ईश्वर तुम्हारा,
नमन हे ईश्वर तुम्हारा।।

गुगल देगा 5जी स्पीड

इस सेवा के लिए गूगल सौर ऊर्जा से चलने वाले ड्रोन की मदद लेगा।

सामान्य इंटरनेट से 40 गुना तेज–
एक अंग्रेजी अखबार के मुताबिक गूगल ने इस ड्रोन का परीक्षण भी कर लिया है। इस बेहद गोपनीय प्रोजेक्ट को 'स्काईबेंडर' नाम दिया गया है। माना जा रहा है कि डाटा ट्रांसमिशन की स्पीड सामान्य इंटरनेट से 40 गुना होगी।

स्विडन में शुरू होगा पहला 5जी इंटरनेट–
गूगल के अलावा दुनिया की अन्य कंपनियां भी 5जी इंटरनेट सर्विस मुहैया कराने जा रही हैं। स्विडिशन– टेलिकॉम ऑपरेटर टेलिआसोनेरा और एरिक्सन मिलकर स्टॉकहोम और एक अन्य शहर टैलिन में 5जी नेटवर्क शुरू कर रहे हैं।

10 सेकेंड में होगी एचडी मूवी डाउनलोड–
स्विडन में शुरू होने जा रहा 5 जी नेटवर्क 4जी नेटवर्क से 20 गुना फास्ट है और इससें अल्ट्राएचडी मूवी महज 10 सेकेंड में डाउनलोड हो सकेगी।

विंटेज कार कलेक्शन सिटी पैलेस उदयपुर

उदयपुर राजस्थान का एक खूबसूरत शहर है और उदयपुर पर्यटन का सबसे आकर्षक स्थल माना जाता है।

विंटेज कार कलेक्शन सिटी पैलेस में 19वी सदी की पुरानी कारों का अद्भूत संग्रह है।

यहाँ करीब दो दर्जन विंटेज कारें पर्यटकों के देखने के लिए रखी हुई हैं।

इन कारों में 1934 ई. की रॉल्स रॉयल फैंटम, 1939 ई. की काडिलेक कन्वर्टिवल भी है।

1939 ई. में जब जैकी कैनेडी (अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की पत्नी) उदयपुर के दौरे पर आए थें तो इसी कार से घूमे थें।

अनुरोध

प्रिय पाठकगण,
''मन के जीते जीत सदा'' समाचार पत्र को दिये गए अपार सहयोग हेतु आपका आभार। हमारा प्रयास सदैव पाठकों को तथ्यपूर्ण एवं रूचिकर सामग्री उपलब्ध कराने का रहा है। इसी क्रम में, यदि आप हमें पठनीय सामग्री संबंधी कोई सुझाव देना चाहें, अपनी स्वरचित कहानी/कविता भेजना चाहें अथवा आपके गाँव/ शहर/राज्य से जुड़ी कोई ऐतिहासिक/ धार्मिक/सांस्कृतिक जानकारी समाचार पत्र में प्रकाशित करवाना चाहें तो संपूर्ण जानकारी फोटो सहित हमें डाक से भेजें या ईमेल करें। अपूर्ण, तथ्यहीन जानकारी प्रकाशित नहीं की जाएगी तथा सामग्री प्रकाशित करने अथवा न करने का अधिकार प्रकाशक मण्डल के अधीन है। धन्यवाद।

पता :- ई-डी-71, बप्पा रावल नगर, सेक्टर - 6
हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)
ई-मेल :- mankijeet2015@gmail.com

शुभ है मौनी अमावस्या

सोमवार के दिन पड़ने वाली अमावस्या ''सोमवती अमावस्या'' कहलाती है। ऐसा संयोग कम ही होता है जब अमावस्या सोमवार के दिन हो। सोमवार भगवान शिव जी का दिन माना जाता है और सोमवती अमावस्या तो पूर्णरूपेण शिव जी को समर्पित होती है।

मानव मन के बोल

वो तीन दिन लोहिया जी के साथ...

"सच्ची सेवा प्रभु पूजा है। उत्तम यज्ञ विधान है।
दर्द नारायण बन आता है। कृपा सिंधु भगवान है।
कुछ भाई हैं पिछड़े पीड़ित, यह किसका अपराध है।
सदियों से जो रहे उपेक्षित, किसकी भूल प्रमाद ही।"

हमारी जिम्मेदारी और माननीय वाजपेयी साहब ने बड़े प्रेम से फोटोग्राफ हाथ में लिए, बहुत– अच्छा नारायण सेवा धन्य है। बहुत अच्छा कैलाश जी, जैसे ही ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सा. का फोटो देखा जिसमें मुझे पुरस्कृत कर रहे है। एफआरओ केलिपर्स जो ए.पी.जे. कलाम साहब ने अविष्कार किया। मैंने उनकी आत्मकथा में पढ़ा। माननीय कलेक्टर साहब को कहा, हम एपीजे कलाम साहब को इसलिए बुलाना चाहते है कि उन्होंने मुझे कहा कि केलिपर कहां बनते है। आपने अविष्कार बहुत अच्छा किया। दुनिया का सबसे कम वजन का केलिपर है। कैसा भी जूता पहना जा सकता है। बच्चा गिरेगा नहीं–दौड़ेगा, तो भी कहाँ से लावें, उन्होंने कहा था, कैलाश जी दुःख यह है कि कोई बना नहीं रहा है। केवल आविष्कार करने से क्या होता है? आविष्कार तो हुआ लेकिन कोई निर्माण नहीं कर पा रहे हैं। मैंने कहा साहब निर्माण हम करेंगे, बड़ी संख्या में करेंगे। आपसे प्रार्थना है कि इसका शुभारंभ करने आप पधारें। उन्होंने हाँ भरी। हमने कलेक्टर साहब को लिख कर दिया। सारा कुछ हुआ और उसका परिणाम ये निकला कि बेकरिया के शिविर में पधारे। जो फोटो देखा, उन्होंने कहा– ''आपके यहां तो राष्ट्रपति भी आ गये हैं'' और क्या चाहिए? मैंने कहा माननीय प्रधानमंत्री जी आप चाहिए। आप पधारो। उन्होंने कहा, मैं कोशिश करूंगा। मेरी बड़ी इच्छा है, आप अच्छा कार्य कर रहे हो।

क्रमश अगले अंक में ...

मौन रहने का विधान है –मौनी अमावस्या के दिन

मौनी अमावस्या के दिन सूर्य तथा चन्द्रमा गोचरवश मकर राशि में आते हैं इसलिए यह दिन एक संपूर्ण शक्ति से भरा हुआ और पावन अवसर बन जाता है। इस दिन मनु ऋषि का जन्म भी माना जाता है. इसलिए भी इस अमावस्या को मौनी अमावस्या कहा जाता है। मकर राशि, सूर्य तथा चन्द्रमा का योग इसी दिन होता है अतः इस अमावस्या का महत्व और बढ़ जाता है. इस दिन पवित्र नदियों व तीर्थ स्थलों में स्नान करने से पुण्य फलों की प्राप्ति होती है।

इस दिन व्यक्ति विशेष को मौन व्रत रखने का भी विधान रहा है। इस व्रत का अर्थ है कि व्यक्ति को अपनी इन्द्रियों को अपने वश में रखना चाहिए। धीरे–धीरे अपनी वाणी को संयत करके अपने वश में करना ही मौन व्रत है। कई लोग इस दिन से मौन व्रत रखने का प्रण करते हैं। वह व्यक्ति विशेष पर निर्भर करता है कि कितने समय के लिए वह मौन व्रत रखना चाहता है। कई व्यक्ति एक दिन, कोई एक महीना और कोई व्यक्ति एक वर्ष तक मौन व्रत धारण करने का संकल्प कर सकता है।

इस दिन मौन व्रत धारण करके ही स्नान करना चाहिए। वाणी को नियंत्रित करने के लिए यह शुभ दिन होता है। मौनी अमावस्या को स्नान आदि करने के बाद मौन व्रत रखकर एकांत स्थल पर जाप आदि करना चाहिए। इससे चित्त की शुद्धि होती है। आत्मा का परमात्मा से मिलन होता है। मौनी अमावस्या के दिन व्यक्ति स्नान तथा जप आदि के बाद हवन, दान आदि कर सकता है। ऐसा करने से पापों का नाश होता है। इस दिन गंगा स्नान करने से अश्वमेघ यज्ञ करने के समान फल मिलता है।

माघ मास की अमावस्या तिथि और पूर्णिमा तिथि दोनों का ही महत्व इस मास में होता है। इस मास में यह दो तिथियाँ पर्व के समान मानी जाती हैं। समुद्र मंथन के समय देवताओं और असुरों के मध्य संघर्ष में जहाँ–जहाँ अमृत गिरा था उन स्थानों पर स्नान करना पुण्य कर्म माना जाता है।

मौनी अमावस्या महात्म्य–
मौनी अमावस्या के दिन व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान, पुण्य तथा जाप करने चाहिए। यदि किसी व्यक्ति की

सामर्थ्य त्रिवेणी के संगम अथवा अन्य किसी तीर्थ स्थान पर जाने की नहीं है, तब उसे अपने घर में ही प्रातः काल उठकर दैनिक कर्मों से निवृत होकर स्नान आदि करना चाहिए अथवा घर के समीप किसी भी नदी या नहर में स्नान कर सकते हैं। पुराणों के अनुसार इस दिन सभी नदियों का जल गंगाजल के समान हो जाता है। स्नान करते हुए मौन धारण करें और जाप करने तक मौन व्रत का पालन करें।

इस दिन व्यक्ति प्रण करें कि वह झूठ, छल–कपट आदि की बातें नहीं करेगें। इस दिन से व्यक्ति को सभी बेकार की बातों से दूर रहकर अपने मन को सबल बनाने की कोशिश करनी चाहिए। इससे मन शांत रहता है और शांत मन शरीर को सबल बनाता है। इसके बाद व्यक्ति को इस दिन ब्रह्मदेव तथा गायत्री का जाप अथवा पाठ करना चाहिए। मंत्रोच्चारण के साथ अथवा श्रद्धा–भक्ति के साथ दान करना चाहिए. दान में गाय, स्वर्ण, छाता, वस्त्र, बिस्तर तथा अन्य उपयोगी वस्तुएं अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान करनी चाहिए.

सम्पादकीय

यह विचार खास तौर पर उन महानुभावों के सामने रखा जा रहा है जो सेवा के महत्त्व से तो भलीभाँति परिचित हैं ही, परन्तु वे उस शुभ मुहुर्त की प्रतिक्षा में हैं, जब वे सेवा का यज्ञ प्रारम्भ कर सकें या ऐसे व्यक्ति की तलाश में हैं, जो इनकी सेवा पाने का अधिकारी है।

आदरणीय! आपश्री जानते हैं कि दुनिया में विरले ही लोग होंगे जो ये बता सकें कि उनको कौनसी व्याधि कब घेर लेगी? हमारी आँखों के सामने हर उम्र के हजारों–लाखों परिचित अपरिचित लोग अपनी इच्छाओं को मन में लिये हुए ही इस दुनिया से कूच कर जाते हैं और उनमें से कई ऐसे भी होते हैं जिनमें आप ही की तरह सेवा करने की तीव्र अभिलाषा थी और वे उपयुक्त समय और व्यक्ति का इन्तजार कर रहे थे। संकेत आपश्री समझे ही होंगे। मृत्यु जीवन का एकमात्र सत्य है, ध्रुव सत्य।

माननीय! हम जानते ही हैं लक्ष्मी चंचल होती है। आज वो आपके आँगन में हँसी खुशी से खेल रही है और भगवान न करे, कल रूठ जाये तो? आप तो सही आदमी और सही समय का इन्तजार ही करते रह गये न? इसलिये जिस क्षण हमारे मन में सेवा करने का विचार उत्पन्न हुआ, वही क्षण सबसे उत्तम है। प्रतीक रूप से मान लीजिये आपके पास एक रोटी है और आप सोचते हैं जब मेरे पास दो रोटी हो जायेगी तब मैं एक रोटी उस भूखे बच्चे को दे दूँगा। संयोगवश आपकी वो रोटी भी कुत्ता छीन ले गया, तब?

आज आपके पास एक रोटी है तो आप उसमें से एक कौर दे दीजिये। कल जब आपके पास दो रोटी हो तो पूरी एक दे दें। सेवा में भावना का महत्त्व है– मात्रा का नहीं। जी हाँ, श्रद्धेय, इन दिनों आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो सेवा का कोई ऐसा कार्य चुन लीजिये जिसमें शारीरिक श्रम ज्यादा न करना पड़े पर अनिश्चित जीवन के बेशकीमती समय को व्यर्थ न गँवाइये।

नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर द्वारा आयोजित 'निःशुल्क' निःशक्तजन एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह

नारायण सेवा संस्थान उदयपुर के द्वारा आयोजित नई दिल्ली के पंजाबी बाग में हुए 'निःशुल्क' निःशक्तजन एवं निर्धन सामूहिक विवाह में 101 निःशक्त–निर्धन युगल दाम्पत्य सूत्र में बंधें।

अष्टयाम दर्शन

महाप्रभु श्री हरिराय जी द्वारा –

श्रीकृष्ण सर्वदा स्मर्यः सर्व लीला समान्वितः

श्रीकृष्ण का स्मरण होने से चित उनकी सेवा में महज ही प्रवृत हो जाता है।

अष्टयाम सेवा भावना का आश्रय है –

भगवान् की लीला चिन्तन में निरन्तर लगा रहना। पुष्टिमार्ग में सेवा के साधन और फल में अन्तर नहीं माना गया है। दोनों एक ही है। अष्टयाम दर्शन सेवा पहरों में विभक्त है। प्रातः काल से शयन समय तक– मंगला –श्रृंगार –ग्वाल –राजभोग –उत्थापन –भोग –आरती और शयन। श्री मद वल्लभाचार्य जी के द्वितीय पुत्र श्री गुसाईं जी श्री विट्ठलनाथजी महाराज श्री ने अष्टयाम सेवा भावना के विशेष रूप को प्राणन्वित किया। श्री आचार्य जी वल्लभाचार्य जी ने अष्टयाम सेवा भावना का विधान किया।

जीवन का केंद्रीय तत्व है–अध्यात्म

अध्यात्म जीवन की समग्र समझ देता है। यह जीवन के एकतरफा भौतिक विकास का संतुलक है। आंतिरक विकास के साथ वाह्य जीवन की प्रगति को संतुलित करता है। यह आंतरिक शक्तियों के जागरण की स्वाभाविक प्रक्रिया है, यह व्यक्ति के समग्र विकास को सुनिश्चित करता है। यह जीवन के द्वन्दों के पार जाने की सूझ व शक्ति देता है। खुद से रुबरु कर, विराट से जोड़ता है और चरम संभावनाओं के विकास का द्वार खोलता है। यह जीवन को गुणवता देता है और व्यक्तित्व में विश्वसनीयता एवं प्रामाणिकता को पैदा करने वाला तत्व है। आश्चर्य नहीं कि यह चरित्र निर्माण की धूरी है, श्रेष्ठ नागरिक को तैयार करने की प्रयोगशाला है। यह स्व–अनुशासित जीवन का नाम है। एक अच्छा इंसान बनने की जरुरत यहीं कहीं सही मायने में पूर्ण होती है। शांति, स्वतंत्रता, आनन्द की खोज यहीं पूर्णता पाती है। जीवन के चरम एवं परम विकास की संभावनाएं इसी के आधार पर शक्य–संभव बनती हैं। मनुष्य अपने भाग्य विधाता होने का भाव यहीं कहीं पाता है। आश्चर्य नहीं कि जिन भी महापुरुषों, महामानवों एवं देवमानवों को हम आदर्श के रुप में श्रद्धानत होकर सुमरण–अनुकरण करते हैं, अध्यात्म किसी न किसी रुप में उनके जीवन का केंद्रीय तत्व रहा है।

वरदान है तुलसी

लिवर (यकृत) संबंधी समस्या : तुलसी की 10–12 पत्तियों को गर्म पानी से धोकर रोज सुबह खाएं। लिवर की समस्याओं में यह बहुत फायदेमंद है।

पेटदर्द होना: एक चम्मच तुलसी की पिसी हुई पत्तियों को पानी के साथ मिलाकर गाढा पेस्ट बना लें। पेटदर्द होने पर इस लेप को नाभि और पेट के आस–पास लगाने से आराम मिलता है।

पाचन संबंधी समस्या : पाचन संबंधी समस्याओं जैसे दस्त लगना, पेट में गैस बनना आदि होने पर एक ग्लास पानी में 10–15 तुलसी की पत्तियां डालकर उबालें और काढा बना लें। इसमें चुटकी भर सेंधा नमक डालकर पीएं।

बुखार आने पर : दो कप पानी में एक चम्मच तुलसी की पत्तियों का पाउडर और एक चम्मच इलायची पाउडर मिलाकर उबालें और काढा बना लें। दिन में दो से तीन बार यह काढा पीएं। स्वाद के लिए चाहें तो इसमें दूध और चीनी भी मिला सकते हैं।

खांसी–जुकाम : सभी कफ सिरप को बनाने में तुलसी का इस्तेमाल किया जाता है। तुलसी की पत्तियां कफ साफ करने में मदद करती हैं। तुलसी की कोमल पत्तियों को थोडी– थोडी देर पर अदरक के साथ चबाने से खांसी–जुकाम से राहत मिलती है। चाय की पत्तियों को उबालकर पीने से गले की खराश दूर हो जाती है। इस पानी को आप गरारा करने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

सर्दी से बचाव : बारिश या ठंड के मौसम में सर्दी से बचाव के लिए तुलसी की लगभग 10–12 पत्तियों को एक कप दूध में उबालकर पीएं। सर्दी की दवा के साथ–साथ यह एक

न्यूट्रिटिव ड्रिंक के रूप में भी काम करता है। सर्दी जुकाम होने पर तुलसी की पत्तियों को चाय में उबालकर पीने से राहत मिलती है। तुलसी का अर्क तेज बुखार को कम करने में भी कारगर साबित होता है।

श्वास की समस्या : श्वास संबंधी समस्याओं का उपचार करने में तुलसी खासी उपयोगी साबित होती है। शहद, अदरक और तुलसी को मिलाकर बनाया गया काढ़ा पीने से ब्रोंकाइटिस, दमा, कफ और सर्दी में राहत मिलती है। नमक, लौंग और तुलसी के पत्तों से बनाया गया काढ़ा इंफ्लुएंजा (एक तरह का बुखार) में फौरन राहत देता है।

गुर्दे की पथरी : तुलसी गुर्दे को मजबूत बनाती है। यदि किसी के गुर्दे में पथरी हो गई हो तो उसे शहद में मिलाकर तुलसी के अर्क का नियमित सेवन करना चाहिए। छह महीने में फर्क दिखेगा।

हृदय रोग : तुलसी खून में कोलेस्ट्राल के स्तर को घटाती है। ऐसे में हृदय रोगियों के लिए यह खासी कारगर साबित होती है।

तनाव : तुलसी की पत्तियों में तनाव रोधीगुण भी पाए जाते हैं। तनाव को खुद से दूर रखने के लिए कोई भी व्यक्ति तुलसी के 12 पत्तों का रोज दो बार सेवन कर सकता है।

मुंह का संक्रमण : अल्सर और मुंह के अन्य संक्रमण में तुलसी की पत्तियां फायदेमंद साबित होती हैं। रोजाना तुलसी की कुछ पत्तियों को चबाने से मुंह का संक्रमण दूर हो जाता है।

त्वचा रोग : दाद, खुजली और त्वचा की अन्य समस्याओं में तुलसी के अर्क को प्रभावित जगह पर लगाने से कुछ ही दिनों में रोग दूर हो जाता है। नैचुरोपैथों द्वारा ल्यूकोडर्मा का इलाज करने में तुलसी के पत्तों को सफलता पूर्वक इस्तेमाल किया गया है। तुलसी की ताजा पत्तियों को संक्रमित त्वचा पर रगड़ें। इससे इंफेक्शन ज्यादा नहीं फैल पाता।

सांसों की दुर्गंध : तुलसी की सूखी पत्तियों को सरसों के तेल में मिलाकर दांत साफ करने से सांसों की दुर्गंध चली जाती है। पायरिया जैसी समस्या में भी यह खासा कारगर साबित होती है।

सिर का दर्द : सिर के दर्द में तुलसी एक बढ़िया दवा के तौर पर काम करती है। तुलसी का काढ़ा पीने से सिर के दर्द में आराम मिलता है।

आंखों की समस्या : आंखों की जलन में तुलसी का अर्क बहुत कारगर साबित होता है। रात में रोजाना श्यामा तुलसी के अर्क को दो बूंद आखों में डालना चाहिए।

कान में दर्द : तुलसी के पत्तों को सरसों के तेल में भून लें और लहसुन का रस मिलाकर कान में डाल लें। दर्द में आराम मिलेगा।

प्रेरक प्रसंग : थॉमस एडिसन

महान वैज्ञानिक थॉमस एडिसन बहुत ही मेहनती एंव जुझारू प्रवृति के व्यक्ति थे। बचपन में उन्हें यह कहकर स्कूल से निकाल दिया गया कि वह मंद बुद्धि बालक है। उसी थॉमस एडिसन ने कई महत्वपूर्ण आविष्कार किये जिसमें से "बिजली का बल्ब" प्रमुख है। उन्होंने बल्ब का आविष्कार करने के लिए हजारों बार प्रयोग किये थे तब जाकर उन्हें सफलता मिली थी।

एक बार जब वह बल्ब बनाने के लिए प्रयोग कर रहे थे तभी एक व्यक्ति ने उनसे पूछा – "आपने करीब एक हजार प्रयोग किये लेकिन आपके सारे प्रयोग असफल रहे और आपकी मेहनत बेकार हो गई। क्या आपको दुःख नहीं होता?"

एडिसन ने कहा – "मै नहीं समझता कि मेरे एक हजार प्रयोग असफल हुए है। मेरी मेहनत बेकार नहीं गयी क्योंकि मैंने एक हजार प्रयोग करके यह पता लगाया है कि इन एक हजार तरीकों से बल्ब नहीं बनाया जा सकता। मेरा हर प्रयोग, बल्ब बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा है और मैं अपने प्रत्येक प्रयास के साथ एक कदम आगे बढ़ता हूँ।"

कोई भी सामान्य व्यक्ति होता तो वह जल्द ही हार मान लेता लेकिन थॉमस एडिसन ने अपने प्रयास जारी रखे और हार नहीं मानी। आखिरकार एडिसन की मेहनत रंग लायी और उन्होंने बल्ब का आविष्कार करके पूरी दुनिया को रोशन कर दिया। यह थॉमस एडिसन का विश्वास ही था, जिसने आशा की किरण को बुझने नहीं दिया नहीं और पूरी दुनिया को बल्ब के द्वारा रोशन कर दिया।

सफलता के रास्ते तभी खुलते है जब हम उसके करीब पहुँच जाते है। "मेहनत कभी बेकार नहीं जाती। यह विश्वास ही हमें आगे बढ़ने एंव निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है। हमारा हर प्रयास हमें एक कदम आगे बढ़ाता है और हम जैसे जैसे आगे बढ़ते है वैसे वैसे हमारे लिए सफलता के रास्ते खुलते जाते है।

आईये मनोबल बढाएं

1. स्वंय पर विश्वास रखें, लक्ष्य बनायें एंव उन्हें पूरा करने के लिए वचनबद्ध रहें। जब आप अपने द्वारा बनाये गए लक्ष्य को पूरा करते हैं तो यह आपके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा देता है। टालना बंद कीजिए, अभी शुरुआत कीजिए।

2. ऐसे लक्ष्य बनाएँ जिसे आप प्राप्त कर सकें । क्योंकि जब आप ऐसे लक्ष्य बनाते हैं जिसे आप पूरा नहीं कर सकते तो यह आपके मनोबल को गिरा देते है और आपका स्वंय पर विश्वास कम हो जाता है। लक्ष्य होना चाहिए– (स्पष्ट) (मापां जा सकने योग्य), (प्राप्त किया जा सके), (वास्तविक), (निर्धारित समय सीमा में पूरा होने लायक)

3. खुश रहें, खुद को प्रेरित करें, असफलता से दुखी न होकर उससे सीख लें।

4. हमेशा आसान काम पहले करें और मुश्किल काम बाद में। क्योंकि जब आप पहले आसान कार्य अच्छे से कर लेते हैं तो दबाव कम हो जाता है और आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे मुश्किल कार्य भी आसान बन जाता है।

5. सकारात्मक सोचें, विनम्र रहें एंव दिन की शुरुआत किसी अच्छे कार्य से करें।

सुविचार

ताकत की जरूरत तभी होती है
जब किसी का कुछ बुरा करना हो
वर्ना, दुनिया में सब कुछ पाने के लिए
तो सिर्फ प्यार ही काफी है .....

मुख्य कार्यकारी अधिकारी–कैलाश 'मानव'
मार्गदर्शक–प्रशान्त अग्रवाल,
जगदीश आर्य, देवेन्द्र चौबीसा
मार्गदर्शिका–कमलादेवी, वन्दना अग्रवाल
सहायक प्रबन्धक–मोहन लाल गाडनी
संपादक–लक्ष्मीलाल गाडनी
संपादन सहयोगी–घनश्याम सिंह नाठौड़

मुद्रक–न्यूट्रेक ऑफसेट प्रिंटर्स, प्रकाशक–कमलादेवी, मुद्रण स्थल–13, भोपा मगरी, बी.एस.एन.एल. एक्सचेंज के पास, लिण मगरी, सेक्टर–3 उदयपुर (राज.), प्रकाशन स्थल– ई–डी–71 बप्पा रावल नगर, लिण मगरी, सेक्टर–6, उदयपुर (राज.)
सम्पादक–लक्ष्मीलाल गाडनी, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2014/59353 टेलिफोन नं. – 0294–6622222 मो.–09587720000,09928022275,09214657807,09785039524 www.mannkijeet.com, mankijeet2015@gmail.com